CPL-03

June - Examination 2016

Certificate in Prakrit Language Examination

प्राकृत व्याकरण (प्रारम्भिक) एवं रचना

Paper - CPL-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : प्रश्न पत्र तीन भागों में विभाजित होगा – सेक्शन अ, ब और स।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। हर प्रश्न दो अंकों का है। उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द है।

1) (i) जीवीअं धातु का विश्लेषण कीजिए।

(ii) अहं। तु। सो में कौनसा सर्वनाम है?

(iii) कर्म वाच्य में कर्म में किस विभक्ति का प्रयोग होता है?

(iv) पइदियं में समास का नाम लिखिए।

(v) हसामों किस काल का है?

(vi) ससा की चतुर्थी विभक्ति बताइए।

(vii) प्राकृत भाषा में व्यंजनों की संख्या कितनी है?

(viii) विमायाइ उड्डदि का हिन्दी अनुवाद करें।

(ix) सकर्मक क्रिया किसे कहते है?

(x) विज्जालय का सन्धि विच्छेद कीजिए।

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित में से कोई चार प्रश्न कीजिए हर प्रश्न 10 अंकों का है। उत्तर सीमा अधिकतम 200 शब्द है।

2) निम्न वाक्यों में कर्ता के अनुसार क्रिया को शुद्ध कीजिए।

अ) णरो रुवन्ति।

ब) विमाणाइं उड्डदि।

स) ससाओ जग्गड।

द) माया अच्छिहिन्ति।

य) परमेसरो हरिसन्तु।

3) निम्न वाक्यों में क्रिया के अनुसार कर्ता को शुद्ध कीजिए।

अ) सलिलो चुइहिन्ति।

ब) धन्नं उप्पज्जिस्सिन्ति।

स) वत्थु सोहन्ति।

द) जयरजणाणि पलाइ।

य) कमलाइं विअसइ

4) निम्नलिखित वाक्यों का प्राकृत में अनुवाद कीजिए।

अ) साधु प्रयास करता है।

ब) हम सब ठहरते है।

स) वे सब नाचे।

द) पुत्रियाँ प्रसन्न होती हैं।

य) स्वामी बैठता है।

5) निम्नलिखित वाक्यों का प्राकृत में अनुवाद कीजिए।

अ) तुम हँसकर जीवो।

ब) वे थककर बैठे।

स) बहिनें जागने के लिए प्रयत्न करें।

द) पुत्री गीत गाते हुए नाचें

य) तुम खेलने के लिए प्रयास करो।

6) निम्नलिखित संज्ञाओं के मूलशब्द, लिंग, वचन विभक्ति प्रत्यय लिखिए।

अ) समित्रा

ब) पुत्रीए

स) सत्तुहिं

द) बारीइं

य) पहूँ

7) निम्नलिखित क्रियाओं की धातु, पुरुष एवं वचन तथा काल लिखिए।

अ) हसइ

ब) लुक्किहामि

स) दासु

द) लुक्कीअ

य) जग्गेह

8) निम्नांकित वाक्यों का कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए।
   अ) जरेहिं उज्जमिहिइ (कर्तृवाच्य)
   ब) तुभ लुक्कसि (भाववाच्य)
   स) सामीं मोयणं जेमई (कर्मवाच्य)
   द) साहुणा सो कोक्किहिद (कर्तृवाच्य)
   य) सतु तं मरीअ (कर्मवाच्य)

9) अव्यय सन्धि को उदाहरण सहित समझाइए।

(खण्ड – स) **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित में से दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द है।

10) अनियमित सम्बन्धक भूतकृदन्त एवं अनियमित हेत्वर्थक कृदन्त को उदाहरणसहित समझाइए।

11) सर्वनाम की परिभाषा देते हुए उनके भेदों को उदाहरण सहित समझाइए।

12) प्रेरणार्थक क्रिया किसे कहते हैं? क्रिया में लगनेवाले प्रेरणार्थक प्रत्ययों को उदाहरण सहित प्रस्तुत करें।

13) सन्धि किसे कहते हैं? स्वर सन्धि को उदाहरण सहित समझाइए।

———